021 11:47 PM Page 1

कानपुर से लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 12 अंक: 333 कानपुर, रविवार 06 जून, 2021 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपये

राष्ट्रीय स्वरूप

swaroop.in

विस्तृत पहले से बेहतर लेकिन अब भी ऑनलाइन पर 10

पीपल व मौलश्री के पेड़ लगाकर डॉ. डीआर सिंह ने की वृक्षारोपण की शुरुआत

कानपुर 7 चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विश्व विद्यालय के सभी विभागों, शोध निदेशालय,कृषि विज्ञान केंद्रों एवं बीज संवर्धन प्रक्षेत्र बोझा, दलीप नगर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम किए गए। इस अवसर पर कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह ने पीपल एवं मौलश्री के पेड़ लगाकर शुरुआत की। ज्ञातव्य हो कि विश्वविद्यालय के अथक प्रयासों से वन विभाग के सहयोग से बीज संवर्धन प्रक्षेत्र बोझा दलीप नगर में लगभग 60 हजार पौधों का वृक्षारोपण किया जाएगा।जिसके लिए द्रुतगामी गति से तैयारी की जा रही है। जिसमें उसरीली एवं कृषि अयोग्य भूमि पर वृक्षारोपण कर प्राकृतिक ढंग से भूमि की उर्वरता बढ़ाई जाएगी। तथा पर्यावरण को संरक्षित किया जाएगा विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि इस अवसर पर कुलपति डॉ डीआर सिंह ने बताया कि क्षेत्र के 30 हेक्टेयर क्षेत्रफल में वृक्षारोपण किया जाएगा।उन्होंने कहा कि आज के दिन हमें संकल्प लेना होगा कि भविष्य

की सांसों का इंतजाम स्वयं करना है। उन्होंने कहा कि कोरोनावायरस के कारण हर जगह परेशानी हो रही है।इसके मुख्य कारण में जाएं तो प्रकृति के साथ छेड़छाड़ करने का नतीजा है। पेड़ और सांसे कम हो रही हैं। उन्होंने कहा कि हमें संकल्प लेना है कि ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाएं और जीवन बचाएं। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि तालाब, नदी, पोखर को प्रदूषित ना होने दे। कूड़ा, कचरा डस्टबिन में फेंके। तथा प्लास्टिक व पॉलीथिन का प्रयोग बंद कर दें।इससे प्रदूषण पर नियंत्रण करने में मदद मिलेगी।इस अवसर पर निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉक्टर रामाशीष यादव, सहायक निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ अनिल सचान, निदेशक प्रसार /समन्वयक डॉ एके सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

लखनऊ संस्करण
रविवार, 06 जून, 2021
देश का सबसे विश्वसनीय अखबार

दैनिक भास्कर

For epaper → www.updainikbhaskar.com

पर्यावरण संरक्षण एवं मृदा सुधार के लिए बोझा प्रक्षेत्र पर होगा पौधरोपणः कुलपति

कानपुर। सीएसए द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विश्व विद्यालय के सभी विभागों, शोध निदेशालय,कृषि विज्ञान केंद्रों एवं बीज संवर्धन प्रक्षेत्र बोझा, दलीप नगर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम किए गए। इस अवसर पर कुलपति डॉ. डीआर सिंह ने पीपल एवं मौलश्री के पेड़ लगाकर शुरुआत की। ज्ञातव्य हो कि विश्वविद्यालय के अथक प्रयासों से वन विभाग के सहयोग से बीज संवर्धन प्रक्षेत्र बोझा दलीप नगर में लगभग 60 हजार पौधों का वृक्षारोपण किया जाएगा।जिसके लिए द्रुतगामी गति से तैयारी की जा रही है। जिसमें उसरीली एवं कृषि अयोग्य भूमि पर वृक्षारोपण कर प्राकृतिक ढंग से भूमि की उर्वरता बढ़ाई जाएगी। तथा पर्यावरण को संरक्षित किया जाएगा विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि इस अवसर पर कुलपति डॉ डीआर सिंह ने बताया कि क्षेत्र के 30 हेक्टेयर क्षेत्रफल में वृक्षारोपण किया जाएगा।उन्होंने कहा कि आज के दिन हमें संकल्प लेना होगा कि भविष्य की सांसों का इंतजाम स्वयं करना है। उन्होंने कहा कि कोरोनावायरस के कारण हर जगह परेशानी हो रही है।इसके मुख्य कारण में जाएं तो प्रकृति के साथ छेड़छाड़ करने का नतीजा है। पेड़ और सांसे कम हो रही हैं। उन्होंने कहा कि हमें संकल्प लेना है कि ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाएं और जीवन बचाएं। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि तालाब, नदी, पोखर को प्रदूषित ना होने दे। कूड़ा, कचरा डस्टबिन में फेंके। तथा प्लास्टिक व पॉलीथिन का प्रयोग बंद कर दें।इससे प्रदूषण पर नियंत्रण करने में मदद मिलेगी।इस अवसर पर निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉक्टर रामाशीष यादव, सहायक निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ अनिल आदि।

कानपुर। रविवार • 6 जून • 2021 | राष्ट्रीय सहारा

पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली जरूरी : डॉ. डीआर सिंह :

सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के कुलपति डॉ. डीआर सिंह ने कहा कि पारिस्थितिकी तंत्र को फिर से बहाल करना समय की मांग है। वह उत्तराखंड मुक्त विवि हल्द्वानी के पृथ्वी विद्यालय एवं पर्यावरण विभाग द्वारा आयोजित वेबिनार को संबोधित कर रहे थे। इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस की थीम भी पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली ही है। विवि प्रवक्ता डॉ. खलील खान के अनुसार कुलपति ने कहा कि पारिस्थितिकी तंत्र पेड़, पौधे, वन्यजीवों व इंसानों के बीच संतुलन से बनता है। विकास गतिविधियों के कारण संतुलन बिगड़ने से पर्यावरण ह्रास की समस्या उत्पन्न हुई है। इधर, सीएसए के दलीप नगर कृषि विज्ञान केंद्र से संबद्ध बीज संवर्धन प्रक्षेत्र बोझा में कुलपति डीआर सिंह ने पीपल एवं मौलश्री के पौधे लगाकर पौधरोपण की शुरुआत की। यहां वन विभाग के सहयोग से 60 हजार पौधों का रोपण कर प्राकृतिक ढंग से भूमि की उर्वरता बढ़ाई जाएगी। कुलपति ने कहा कि क्षेत्र के 30 हेक्टेयर क्षेत्रफल में पौधरोपण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमें संकल्प लेना है कि ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाएं और जीवन बचाएं। विवि प्रवक्ता डॉ. खलील खान ने बताया कि इस अवसर पर निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ. राम आशीष यादव, सहायक निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ. अनिल सचान, निदेशक प्रसार समन्वयक डॉ. एके सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

आज
कानपुर
6 जून, 2021
5

पृथ्वी के संतुलन को पेड़-पौधों को संरक्षित करना जरूरी

पौध रोपण करते सीएसए के कुलपति डा. डीआर सिंह।

कानपुर, 5 जून। सीएसए की ओर से आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी विभागों, शोध निदेशालय,कृषि विज्ञान केंद्रों एवं बीज संवर्धन प्रक्षेत्र बोझा, दलीप नगर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम किए गए। सीएसए के कुलपति डॉ डीआर सिंह ने पीपल एवं मौलश्री के पेड़ लगाकर शुरुआत की। विवि के प्रयासों से वन विभाग के सहयोग से बीज संवर्धन प्रक्षेत्र बोझा दलीप नगर में लगभग 60 हजार पौधों का वृक्षारोपण किया जाएगा। जिसमें उसरीली एवं कृषि अयोग्य भूमि पर वृक्षारोपण कर प्राकृतिक ढंग से भूमि की उर्वरता बढ़ाई जाएगी तथा पर्यावरण को संरक्षित किया जाएगा। वही पृथ्वी पर जीवन का संतुलन बनाए रखने के लिए जानवरों,पेड़ों और पौधों को संरक्षित करना बहुत जरूरी है।

हिन्दुस्तान • कानपुर • रविवार • 06 जून 2021 • 06

सीएसए के विभिन्न विभागों में पौधरोपण किया गया। कुलपति डॉ. जीआर सिंह ने बताया कि दलीप नगर में लगभग 60 हजार पौधे लगाए जाएंगे। रामाशीष यादव, डॉ. अनिल सचान, डॉ. एके सिंह और डॉ. खलील खान आदि मौजूद थे।

पारिस्थितिकी तंत्र को बहाल करना जरूरी

कानपुर। सीएसए के कुलपति डॉ. डीआर सिंह ने उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी के पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली विषय पर आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार में कहा कि पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली एक बड़ी जरूरत बन गई है। वहीं, क्राइस्ट चर्च इंटर कॉलेज में प्रिंसिपल सी डेनियल के नेतृत्व में पौधरोपण किया गया। मुकुल कुमार लाल, अजीत एलेक्जेंडर, राजेंद्र करमचंदानी, मनीष विल्सन रहे।

अमर उजाला
कानपुर | रविवार, 06.06.2021
06

न्यूज डायरी

सीएसए में रोपे गए पौधे

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की ओर से सभी विभागों, शोध निदेशालय, कृषि विज्ञान केंद्रों और बीज संवर्धन प्रक्षेत्र बोझा, दलीप नगर में पौधरोपण किया गया। कुलपति डॉ. डीआर सिंह ने पीपल एवं मौलश्री का पौधा लगाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने बताया कि दलीप नगर में लगभग 60 हजार पौधे रोपे जाएंगे। इस दौरान मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान, डॉ. रामाशीष यादव, डॉ. अनिल सचान आदि मौजूद रहे। (संवाद)

6 june 2021 satta express.pdf - Read-only

आर.एन.आई.नं.- UPHIN/2009/44666
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
सत्ता एक्सप्रेस
डी.ए.वी.पी नई दिल्ली एवं राज्य सरकार द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त
वर्ष: 12 अंक : 232 कानपुर देहात,रविवार 06 जून 2021 Email: sattaexpress@rediffmail.com

लगातार ब्याज बढ़ता जा रहा है

पारिस्थितिकी तंत्र को बहाल करना समय की मांग- डॉ डीआर सिंह

दैनिक सत्ता एक्सप्रेस

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी के पृथ्वी विद्यालय एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली विषय पर आयोजित राष्ट्रीय वेवनार में बतौर मुख्य अतिथि मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। कुलपति डॉ सिंह ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस 2021 की थीम (विषय) पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली है।जो आज के पर्यावरण में एक बहुत बड़ी जरूरत बन गई है। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पारिस्थितिकी तंत्र भौगोलिक भूभाग होता है। जहां पौधे, जानवर और अन्य जीव जंतु रहते हैं इसमें मौसम भी शामिल है। यह सभी जीवित और निर्जीव इससे एक दूसरे को प्रभावित करते हैं। उन्होंने कहा कि आंकड़े बताते हैं कि दुनिया के 45: वन्यजीव,12: पौधों की प्रजातियों में कमी आई है।यह आंकड़े बताते हैं कि हमारे बीच पेड़ों, बाघों, शेरों, हिरणों और अन्य अद्‌भुत वन्यजीवों की संख्या लगातार घट रही है या विलुप्त होने के कगार पर है। इससे प्राकृतिक संतुलन बिगड़ गया है। इसलिए पृथ्वी पर जीवन का संतुलन बनाए रखने के लिए जानवरों,पेड़ों और पौधों को संरक्षित करना बहुत जरूरी है। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2021–30 को पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली पर संयुक्त राष्ट्र दशक के रूप में घोषित किया है। इस अवसर पर देश की प्रख्यात पर्यावरणविद एवं वक्ताओं द्वारा पर्यावरण एवं उसके संरक्षण पर लेक्चर दिए गए । इनमें पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय की प्रोफेसर उमा मेलकानियाँ, केंद्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा के प्रोफेसर दीपक पंत, हल्द्वानी की प्रोफेसर पी डी पंत, कार्यक्रम संयोजक डॉ एच जी जोशी उपस्थित रहे। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तराखंड ओपन विश्वविद्यालय हल्द्वानी के कुलपति डॉ ओ पी एस नेगी ने की।

ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाकर जीवन बचाएं

पर्यावरण संरक्षण एवं मृदा सुधार हेतु बोझा प्रक्षेत्र पर होगा वृक्षारोपण

डीटीएन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विश्व विद्यालय के सभी विभागों, शोध निदेशालय, कृषि विज्ञान केंद्रों एवं बीज संवर्धन प्रक्षेत्र बोझा, दलीप नगर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम किए गए।

वन विभाग के सपोर्ट से 60 हजार पौधे लगेंगे

कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह ने पीपल एवं मौलश्री के पेड़ लगाकर शुरुआत की। ज्ञातव्य हो कि विश्वविद्यालय के अथक प्रयासों से वन विभाग के सहयोग से बीज संवर्धन प्रक्षेत्र बोझा दलीप नगर में लगभग 60 हजार पौधों का वृक्षारोपण किया जाएगा जिसके लिए द्रुतगामी गति से तैयारी की जा रही है। जिसमें उसरीली एवं कृषि अयोग्य भूमि पर वृक्षारोपण कर प्राकृतिक ढंग से भूमि की उर्वरता बढ़ाई जाएगी। तथा पर्यावरण को संरक्षित किया जाएगा।

जीवन बचाने के लिए पेड़ लगाना जरुरी

कुलपति डॉ डीआर सिंह ने बताया कि क्षेत्र के 30 हेक्टेयर क्षेत्रफल में वृक्षारोपण किया जाएगा।उन्होंने कहा कि आज के दिन हमें संकल्प लेना होगा कि भविष्य की सांसों का इंतजाम स्वयं करना है। उन्होंने कहा कि कोरोनावायरस के कारण हर जगह परेशानी हो रही है।इसके मुख्य कारण में जाएं तो प्रकृति के साथ छेड़छाड़ करने का नतीजा है। पेड़ और सांसे कम हो रही हैं। उन्होंने कहा कि हमें संकल्प लेना है कि ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाएं और जीवन बचाएं। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि तालाब, नदी, पोखर को प्रदूषित ना होने दे। कूड़ा, कचरा डस्टबिन में फेंके। तथा प्लास्टिक व पॉलीथिन का प्रयोग बंद कर दें।इससे प्रदूषण पर नियंत्रण करने में मदद मिलेगी।इस अवसर पर निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉक्टर रामाशीष यादव, सहायक निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ अनिल सचान, निदेशक प्रसार,समन्वयक डॉ एके सिंह, डॉक्टर खलील खान सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

वृक्षा रोपण करते सीए से कुलपति प्रोफेसर डॉक्टर डी आर सिंह.

Email:-vidhankesari1@gmail.com, vidhankesarinews@gmail.com

www.vidhankesari.com

हिन्दी दैनिक

विधान केसरी

आपका खुश रहना ही आपके दुश्मनों के लिए सबसे बड़ी सजा है।

सांसदों के आवास के सामने... पेज-3

पर्यावरण है तो प्रकृति है, प्रकृति... पेज-14

दर्द-ए-कोरोना: कोई जिंदगी...

पीपल एवं मौलश्री के पेड़ लगाकर डॉ0 डी आर सिंह ने वृक्षारोपण की करी शुरूआत

कानपुर (विधान केसरी)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विश्व विद्यालय के सभी विभागों, शोध निदेशालय,कृषि विज्ञान केंद्रों एवं बीज संवर्धन प्रक्षेत्र बोझा, दलीप नगर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम किए गए। इस अवसर पर कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह ने पीपल एवं मौलश्री के पेड़ लगाकर शुरूआत की। ज्ञातव्य हो कि विश्वविद्यालय के अथक प्रयासों से वन विभाग के सहयोग से बीज संवर्धन प्रक्षेत्र बोझा दलीप नगर में लगभग 60 हजार पौधों का वृक्षारोपण किया जाएगा।जिसके लिए द्रुतगामी गति से तैयारी की जा रही है। जिसमें उसरीली एवं कृषि अयोग्य भूमि पर वृक्षारोपण कर प्राकृतिक ढंग से भूमि की उर्वरता बढ़ाई जाएगी। तथा पर्यावरण को संरक्षित किया जाएगा विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि इस अवसर पर कुलपति डॉ डीआर सिंह ने बताया कि क्षेत्र के 30 हेक्टेयर क्षेत्रफल में वृक्षारोपण किया जाएगा।उन्होंने कहा कि आज के दिन हमें संकल्प लेना होगा कि भविष्य की सांसों का इंतजाम स्वयं करना है। उन्होंने कहा कि कोरोनावायरस के कारण हर जगह परेशानी हो रही है।इसके मुख्य कारण में जाएं तो प्रकृति के साथ छेड़छाड़ करने का नतीजा है। पेड़ और सांसे कम हो रही हैं। उन्होंने कहा कि हमें संकल्प लेना है कि ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाएं और जीवन बचाएं। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि तालाब, नदी, पोखर को प्रदूषित ना होने दे। कूड़ा, कचरा डस्टबिन में फेंके। तथा प्लास्टिक व पॉलीथिन का प्रयोग बंद कर दें।इससे प्रदूषण पर नियंत्रण करने में मदद मिलेगी।इस अवसर पर निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉक्टर रामाशीष यादव, सहायक निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ अनिल सचान, निदेशक प्रसार /समन्वयक डॉ एके सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।ब्यूरो प्रदीप श्रीवास्तव

WORLD खबर एक्सप्रेस

कानपुर

शनिवार
05 जून 2021

विश्व पर्यावरण दिवस पर सीएसए में किया गया पौधरोपण, कुलपति ने किया आह्वान;

'भविष्य की सांसों का इंतजाम हमें स्वयं करना होगा'

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्चविद्यालय में आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सभी विभागों, शोध निदेशालय, कृषि विज्ञान केंद्रों और बीज संवर्धन प्रक्षेत्र बोझा, दिलीप नगर में पौधरोपण कार्यक्रम किए गए। इस अवसर पर कुलपति डॉ. डीआर सिंह ने पीपल व मौलश्री के पेड़ लगाकर शुरुआत की। विश्चविद्यालय के अथक प्रयासों से वन विभाग के सहयोग से बीज संवर्धन प्रक्षेत्र बोझा दिलीप नगर में लगभग 60 हजार पौधों का रोपण किया जाएगा जिसके लिए द्रुतगामी गति से तैयारी की जा रही है। इसमें उसरीली एवं कृषि अयोग्य भूमि पर पौधरोपण कर प्राकृतिक ढंग से भूमि की उर्वरता बढ़ाई जाएगी। साथ ही पर्यावरण को संरक्षित किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान ने बताया कि इस अवसर पर कुलपति डॉ. डीआर सिंह ने कहा कि क्षेत्र के 30 हेक्टेयर क्षेत्रफल में पौधरोपण किया जाएगा। आज के दिन हमें संकल्प लेना होगा कि भविष्य की सांसों का इंतजाम स्वयं करना है। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस के कारण हर जगह परेशानी हो रही है। इसके मुख्य कारण में जाएं तो प्रकृति के साथ छेड़छाड़ करने का नतीजा है। पेड़ और सांसे

कम हो रही हैं। उन्होंने कहा कि हमें संकल्प लेना है कि ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाएं और जीवन बचाएं। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि तालाब, नदी, पोखर को प्रदूषित ना होने दे। कूड़ा, कचरा डस्टबिन में फेंके और प्लास्टिक व पॉलीथिन का प्रयोग बंद कर दें। इससे प्रदूषण पर नियंत्रण करने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ. रामाशीष यादव, सहायक निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ. अनिल सचान, निदेशक प्रसार /समन्वयक डॉ. एके सिंह सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

पारिस्थितिकी तंत्र को बहाल करना समय की मांगः डॉ. डीआर सिंह

कानपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डीआर सिंह, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी के पृथ्वी विद्यालय एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग की ओर से आयोजित एक दिवसीय पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली विषय पर आयोजित राष्ट्रीय वेबनार में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। कुलपति ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस 2021 की थीम, पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली है जो आज के पर्यावरण में एक बहुत बड़ी जरूरत बन गई है। विश्चविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान ने बताया कि इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पारिस्थितिकी तंत्र, भौगोलिक भूभाग होता है जहां पौधे, जानवर और अन्य जीव जंतु रहते हैं। इसमें मौसम भी शामिल है। यह सभी जीवित और निर्जीव, इससे एक-दूसरे को प्रभावित करते हैं। उन्होंने कहा कि आंकड़े बताते हैं कि दुनिया के 45 फीसदी वन्यजीव,12 फीसदी पौधों की प्रजातियों में कमी आई है। यह आंकड़े बताते हैं कि हमारे बीच पेड़ों, बाघों, शेरों, हिरणों और अन्य अद्भुत वन्यजीवों की संख्या लगातार घट रही है या विलुप्त होने के कगार पर है। इससे प्राकृतिक संतुलन बिगड़ गया है। इसलिए पृथ्वी पर जीवन का संतुलन बनाए रखने के लिए जानवरों, पेड़ों और पौधों को संरक्षित करना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2021-30 को पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली पर संयुक्त राष्ट्र दशक के रूप में घोषित किया है। इस अवसर पर देश की प्रख्यात पर्यावरणविद् एवं वक्ताओं ने पर्यावरण एवं उसके संरक्षण पर लेक्चर दिए। इनमें पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय की प्रोफेसर उमा मेलकानियाँ, केंद्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा के प्रोफेसर दीपक पंत, हल्द्वानी की प्रोफेसर पीडी पंत, कार्यक्रम संयोजक डॉ. एचजी जोशी उपस्थित रहे। अध्यक्षता उत्तराखंड ओपन विश्वविद्यालय, हल्द्वानी के कुलपति डॉ. ओपीएस नेगी ने की।

उत्तराखंड/उत्तर प्रदेश का प्रथम द्विभाषीय (हिन्दी-अंग्रेजी) सांध्य दैनिक समाचार पत्र

जनमत टुडे

वर्ष:12 | अंक:159 | देहरादून, शनिवार, 05 जून, 2021 | पृष्ठ:08

पर्यावरण संरक्षण को बोझा प्रक्षेत्र पर होगा पौधारोपण

दीपक गौड़ (जनमत टुडे)

कानपुर: चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विश्व विद्यालय के सभी विभागों, शोध निदेशालय, कृषि विज्ञान केंद्रों एवं बीज संवर्धन प्रक्षेत्र बोझा, दलीप नगर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम किए गए।

इस अवसर पर कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह ने पीपल एवं मौलश्री के पेड़ लगाकर शुरुआत की ज्ञात हो कि विश्वविद्यालय के अथक प्रयासों से वन विभाग के सहयोग से बीज संवर्धन प्रक्षेत्र बोझा दलीप नगर में लगभग 60 हजार पौधों का वृक्षारोपण किया जाएगा जिसके लिए द्रुतगामी गति से तैयारी की जा रही है जिसमें उसरीली एवं कृषि अयोग्य भूमि पर वृक्षारोपण कर प्राकृतिक ढंग से भूमि की उर्वरता बढ़ाई जाएगी तथा पर्यावरण को संरक्षित किया जाएगा विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि इस अवसर पर कुलपति डॉ डीआर सिंह ने बताया कि क्षेत्र के 30 हेक्टेयर क्षेत्रफल में वृक्षारोपण किया जाएगा। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि तालाब, नदी, पोखर को प्रदूषित ना होने दे कूड़ा, कचरा डस्टबिन में फेंके तथा प्लास्टिक व पॉलीथिन का प्रयोग बंद कर दें। इससे प्रदूषण पर नियंत्रण करने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ० रामाशीष यादव, सहायक निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ अनिल सचान, निदेशक प्रसार, समन्वयक डॉ ए०के० सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।